Nayi Raahein ..... nayi zindgi ki aur

हर चेहरे को मुस्कान का हक है
हर चाहत को उसके मुकाम का हक है
हर बच्चे को शिक्षा का हक है और उसके सम्मान का हक है
हमें भी उनके हक को दिलाने का हक है
और हर बच्चे के जीवन में 'नई राहें' बनाने का हक है

Foundation for the Equality of Education

Give wings to the innocent dreams

Nayi Raahein
Nayi zindgi ki aur

What is Nayi Raahein

Nayi Raahein is an educational society which was established in June,2012 in Hisar, Haryana, by a few like minded people with the objective of reaching out to the ostracized sections of society. It is a non-government and non-profit venture which focuses on providing quality education to the underprivileged children of India. Over the years, the organization has grown both, in scope and geographical coverage.

Our Mission

Not just to provide “basic education” but **to provide the underprivileged with education facilities as good as in the renowned schools.**

To remove the hindrances blocking ‘capable children’ with limited or no means from achieving what they deserve.

To empower the underprivileged children in order to transform them into assets for the society and the nation.

To enable them to be **self reliant and enjoy a healthy dignified & sustainable quality of life.**

Our Programmes.....

NAYI RAAHEIN SCHOOL

After years of working and living for themselves, a group of highly successful, like minded and self motivated individuals decided it was 'Payback' time. Nayi Raahein payback society was born at Hisar in Haryana.

Dr. Gopichand Bhargava Trust has been magnanimous to have leased the school's face and building for carrying out educational activities.

Being a part of the educated strata of society and being aware of its benefits, the trustees thought of doing their bit by educating the under privileged.

ABOUT THE PROJECT

Nayi Raahein was founded in June, 2012 at Hisar in the state of Haryana with the objective of dispelling darkness of ignorance from the lives of underprivileged through the power of education.

Starting with just 8 children, Nayi Raahein today boasts of student strength of 92. Nayi Raahein has been successfully transforming lives of underprivileged children residing in slums of Hisar by:

(a) Enrolling them into formal education system
(b) Main streaming them into formal system of education
(c) Hand holding the children even after main streaming
(d) Identifying and developing their talents in the field of art, craft, computers etc.

OUR ASSETS

Nayi Raahein's Children and teachers:
Every child admited at Nayi Raahein comes from a genuinely needy background, which is verified through an extensive verification process by the Nayi Raahein administrative team.
The teachers appointed are highly dedicated, who empathize rather than discriminate and serve as ideal role models for the children.

FACILITIES PROVIDED AT THE SCHOOL

1. The school imparts completely free education, which includes study material, school dresses and stationery.
2. in the past, the school has also taken several initiatives to help our children in shaping their dreams like Educational Tour to aviation club, educational tour to army cantonment, picnic at water park-splash etc.

NAYI RAAHEIN CLUB

This is an activity where children from well-to-do families carry old newspapers of the previous day and collect in their respective schools for sale. The newspapers get sold as ‘Raddi’ and the proceeds thus realized are donated to the Nayi Raahein School. The well-to-do children understand the virtue of ‘empathy’ and the under privileged get financial help towards their education.
With the intention of inculcating empathy in the school children for their own brothers & sisters from the not-so-privileged part of the Society, a project was started in the school. The students were inspired to carry the previous day’s newspapers from their respective homes to the school and collect them at a point to sell and help utilize the proceeds for facilitating free education, books, stationery and uniforms to those who cannot afford.

The children of the recipient school “Nayi Raahein” were invited and facilitated transport to attend different school functions like Diwali Mela, Magic Show, joy ride of the aircraft with NCC Air Wing and visit to the Army Cantonment arranged by Thakur Dass Bhargava Senior Secondary Model School, Hisar. Besides, the students of TDBSSM School, who monitored the collection of newspapers visited Nayi Raahein on different occasions to express friendliness and empathy towards their brothers and sisters.

सराहनीय कदम | ठाकुरदास भार्गव स्कूल के बच्चों ने चार दिन में घरों से लाकर इकट्ठा की 120 किलो रद्दी

गरीबों की पढ़ाई के लिए रद्दी जमा कर रहे बच्चे

▪ इसी कड़ी में अन्य स्कूलों से भी सहयोग के लिए चल रही है बात

उषा नेगी | हिसार

आपके घर का रद्दी अखबार दूसरे बच्चों का जीवन संवार सकता है। ठाकुर दास भार्गव स्कूल के बच्चों ने इसकी शुरुआत की है। पिछले चार दिनों में इस स्कूल के करीब 650 बच्चों ने अपने घरों से अखबार लाकर करीब 120 किलो रद्दी इकट्ठी की है। अब यह सिलसिला रोज चलेगा। रद्दी बेचने से जो भी आमदनी होगी उसे उन बच्चों की पढ़ाई पर खर्च किया जाएगा, जिनके मां बाप चाह कर भी बच्चों को नहीं पढ़ा नहीं पा रहे हैं। इस स्कूल के बच्चे घर से लाए गए अखबारों को क्लास मॉनिटर लाइब्रेरी में जमा करते हैं। स्कूली बच्चों के सहयोग से एकत्र रद्दी को बेचने से प्राप्त धनराशि को कैमरी रोड स्थित नई राहें वेलफेयर सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे नई राह स्कूल प्रबंधन को दी जाएगी। जुलाई से शुरू हुए इस स्कूल में 30 गरीब बच्चे प्रारंभिक शिक्षा ले रहे हैं। अगले सत्र से स्कूल में 200 बच्चों को शिक्षा देने का लक्ष्य रखा गया है।

बच्चों के उत्साह को धन्यवाद

▸ जो बच्चे गरीबी के कारण पढ़ नहीं पा रहे हैं, उन बच्चों की सहायता के लिए बच्चों में जो उत्साह था वह देखने लायक है। इसके लिए बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावकों को भी धन्यवाद हैं जो बच्चों को इस तरह सहायता के लिए मोटिवेट कर रहे हैं। ये बच्चे अपने साथ साथ पड़ोसियों व अन्य लोगों को भी प्रेरित कर रहें और एक रद्दी अखबार की कीमत से अवगत करवा रहे हैं।"

पीके पटपटिया, प्रिंसिपल ठाकुरदास भार्गव स्कूल।

आप चाहे तो हाथ बढ़ा सकते हैं

नई राह सोसायटी के पदाधिकारी उमेश शर्मा ने बताया कि अकेले कोई कुछ नहीं कर सकता हैं, लेकिन साथ जुड़ जाएं तो दुनिया बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि छह महीने पहले नई राह स्कूल का शुभारंभ हुआ, शहर की प्रबुद्ध लोग जुड़ रहे हैं। कारवां बढ़ रहा। जो लोग हमारे साथ गरीब व जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाने में, उनका जीवन संवारने में सही मायनों में जुड़ना चाहते हैं, वे आगे आकर अपना हाथ बढ़ा सकते हैं।

महीने के अंत में बेची जाएगी यह रद्दी

ठाकुर दास भार्गव स्कूल के पांचवीं से 10वीं क्लास के 650 से अधिक बच्चों ने चार दिन में अपने व पड़ोसियों के घरों से अखबारें लाकर 120 किलो एकत्र की है। महीने के अंत में रद्दी को बेचा जाएगा और इस तरह जो धनराशि एकत्र होगी वह नई राह स्कूल प्रबंधन को दी जाएगी। जिससे कि वे उन बच्चों को अन्य स्कूलों की भांति उच्च स्तर की शिक्षा दे सकें। नई राह वेलफेयर सोसायटी के कार्यकर्ता शहर के अन्य स्कूलों के प्रबंधन से मिलकर स्टूडेंट्स को आगे आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ओपीजेएमएस स्कूल प्रबंधन से इस संबंध में बात हो चुकी है। इसी तरह अन्य स्कूलों के बच्चों को भी जरूरतमंद बच्चों को पढ़ने में हेल्प करने के लिए प्रेरित किया।

कैमरी रोड स्थित नई राह स्कूल का वार्षिक कार्यक्रम रविवार को ठाकुरदास भार्गव स्कूल में होगा। इसमें अन्य स्कूलों के कुछ बच्चों को भी आमंत्रित किया गया है। दोपहर तीन बजे के बाद शुरु होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी गई हैं।

रद्दी जुटाने के अभियान में 400 बच्चे और जुड़े

मुहिम एकत्र रद्दी को बेचकर कैमरी रोड स्थित नई राह स्कूल में पढ़ने वाले गरीब बच्चों को दी जाएगी मदद

भास्कर न्यूज | हिसार

रद्दी से शिक्षा की अलख जगाने की मुहिम रंग ला रही है। पचास सौ नहीं इस अभियान में चार सौ स्टूडेंट्स और जुड़ चुके हैं। ये सभी छात्र दिग्विजय मेमोरियल स्कूल के हैं। सोमवार से लेकर अब तक जुड़े इन स्टूडेंट्स ने 70 किलो रद्दी एकत्र कर दी है। इससे पहले ठाकुरदास भार्गव स्कूल के करीब 700 बच्चे घरों और पड़ोसियों से रद्दी एकत्र कर रहे हैं। 20 दिनों में ये बच्चे करीब 700 किलो रद्दी एकत्र कर चुके हैं। स्कूल में एकत्र की जा रही रद्दी अब महीने के आखिर में बेच दी जाएगी और इससे हासिल होने वाली राशि नई राह सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे स्कूल के बच्चों की पढ़ाई पर खर्च होंगे।

कैमरी रोड स्थित इस स्कूल में उन बच्चों को पढ़ाया जा रहा है जिनके मां बाप चाह कर भी बच्चों को पढ़ा नहीं पा रहे हैं। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इन बच्चों के अभिभावक इन्हें पढ़ाने में असमर्थ हैं। जुलाई से शुरू हुए इस स्कूल में 30 गरीब बच्चे प्रारंभिक शिक्षा ले रहे हैं। अगले सत्र से स्कूल में 200 बच्चों को शिक्षा देने का लक्ष्य रखा गया है।

मिलेगा दायित्वों को समझने का मौका

नई राह सोसायटी के पदाधिकारी उमेश शर्मा ने बताया कि ठाकुर दास भार्गव स्कूल प्रबंधन और बच्चों की पहल के बाद शहर के कई स्कूल संस्था के साथ जुड़ने लगे हैं। दिग्विजय स्कूल के अलावा कई और बड़े स्कूल हैं जिन्होंने इस पुनीत कार्य में साथ देने को तैयार हैं। इससे सिर्फ जरूरतमंद बच्चों की आर्थिक हेल्प ही नहीं हो पाएगी अपितु स्टूडेंट्स को सामाजिक दायित्वों के बारे में भी समझने का मौका मिलेगा।

बच्चों में है खासा उत्साह

▸ घर से रोज एक अखबार लाकर एकत्र करने की बात को लेकर बच्चों में खासा उत्साह है। इससे बच्चों में हेल्प करने की प्रवृत्ति बनेगी। यह भी एहसास होगा कि उन्हें जो सुविधाएं मिली हैं उसकी कीमत क्या है और क्या महत्ता है। 400 बच्चे इस कार्य के लिए आगे आए हैं।"

समीता राठौर, प्रिंसिपल दिग्विजय मेमोरियल स्कूल।

EXPOSURE THROUGH EXCURSIONS & TRIPS

The children at Nayi Raahein School have scant exposure, for their world revolves around the slum they live in. To expose them to the other world, the children were taken by bus to the Army Cantonment, Flying Club and to see a Magic Show at the other school.

THE THREE SISTERS

This is the story of the three sisters, Nitu, Bhavna & Asha. They are daughters of Laxmi widowed sometime back after a long sickness of her husband.

Laxmi works as a maid to wash utensils in different households during the summers but switches her profession to fill quilts and threading them in the winters.

Laxmi and her daughters live in a shanty on the roadside opposite to the School Nayi Raahein.

The three sisters are inclined towards studies and are doing fairly well. Nitu, the eldest wanted to be a teacher on growing up till she had a joy ride by the local Aviation Club and came back with the wish to be a Pilot.

THE GIRL CHILD'S TALENT

This is the story of the young girl Saroj, number three in the family of five children to a daily wage earner and his wife who worked as a domestic help in differnt 'kothis'. Her younger brother Sheru was enrolled by the parents in the Nayi Raahein School while Saroj would come along to the school gate and hang around to get back with the brother when the school would be off. This was going on for months but she carried the desire to have a bag, books, pencils as Sheru had. She expressed her desire to a volunteer and was allowed to join the school. She turned out to be so eager to learn and sharp at picking up the lessons that she came at par with the other children in less than a fortnight. Her education did not fit into the scheme of things that the father had. The father realized that the mother was not able to give her best to the 'kothis' that she worked for, as there was the youngest child to look after at home. She was asked not to go to the school and on her defiance, the father burnt her notebook in a fit of rage. Saroj was withdrawn from school and the words in Hindi read her mind.

आँखों मे एक सपना हे की मैं भी पढ़ पाऊँगी,
इस जमाने के साथ साथ मैं भी कदम मिलाऊँगी,
पर ना जाने क्यूँ ये मुमकिन नही है,
ना जाने क्यूँ मेरे पापा को ये मंजूर नही है,
क्यूँ मेरा भाई ही पढ़ने जाता है,
क्यूँ मेरी बहन को खिलाने मे मेरा वक़्त निकल जाता है,
क्या स्कूल के गेट को मैं भी कभी पार कर पाऊँगी,
क्या मेरे भाई के साथ मैं भी कभी स्कूल जा पाऊँगी,
आज शायद वो दिन आ गया है,
स्कूल की मेडम को मेरा ध्यान ना जाने कहाँ से आ गया है,
वो बोली की बेटा क्या चाहिए?
मैं बोली ज़्यादा कुछ नही आपका थोड़ा प्यार और शिक्षा का अधिकार चाहिए,
बस फिर क्या था मेरा स्कूल जाने का सपना मेरे सामने था,
अब मैं भी A, B, C, D सिख जाऊंगी,
अ से अनार और आ से आम मे भी लिख पाऊँगी,
अब तो हर पल सपनो सा लगता है,
मैडम की डाँट मे भी अपनापन सा लगता है,
पर मेरी खुशी भगवान को मंजूर नही है,
मेरे पापा को मेरा पढ़ना ना जाने क्यूँ बर्दाश्त नही है,
मेरी हफ्ते की मेहनत मेरी कापी को आज उन्होने जला दिया,
मेरी पढ़ने की खावहिश को उन्होने आज मिटा दिया,
आज फिर से जिंदगी सुनसान पड़ी है,
पढ़ने की हसरत भी आज दम तोड़ रही है,
आज फिर से,
आँखों मे एक सपना है की क्या मे भी पढ़ पाऊँगी,
इस जमाने के साथ साथ क्या मे भी कदम मिलाऊँगी?

Umesh Sharma

ANNUAL DAY AT NAYI RAAHEIN

Since the inception of the Nayi Raahein School, it has been celebrating its Annual Day when the students perform on the stage. The school invites the parents and arranges their seating in the front rows as they relish the sense of pride watching the children perform. It has been observed that the parents get their entire community and neighborhood to the school. This inspires others to send their wards to the school and ensures their daily attendance there.

The school has had three Annual Functions when 'The Punk', a Dance School has extended its expertise to teach the students dance and sing. The children have enormous talent and the initial stage fright has been shooed away by the self-confidence that they have developed.

1ST ANNUAL FUNCTION

2ND ANNUAL FUNCTION

3RD ANNUAL FUNCTION

FUTURE PLANS

For the coming up batches, the nayi raahein team plans to collaborate with local newspapers, in order to encourage middle and upper class school going children to donate their newspapers on an everyday basis.

We also plan to expand the current infrastructure and facilities to cater to the education of over 300 children in the coming years.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

Let us share the responsibility. We plan to identify and collaborate with the corporates that are interested to contribute to the noble cause by investing their CSR funds in the bright future of children at Nayi Raahein. Corporates can sponsor the following:

1. School dresses and study materials for the upcoming batch
2. Employees' salaries on a monthly basis
3. Infra structural expansion
4. Sponsoring a tour for the kids
5. Going digital-donating funds/resources for computer education at nayi raahein etc.